

पी-एच.डी.प्रवेश परीक्षा  
विषय –दर्शन शास्त्र एवं योग  
पाठयक्रम

शिक्षा सत्र 2024 –25

अ.

1. भारतीय दर्शन की सामान्य विशेषताएं, भारतीय दर्शन में योग का महत्व
2. –योग की दार्शनिक पृष्ठभूमि , सांख्य दर्शन ,सांख्य और योग में संबंध, पुरुष सिद्धि बंधन।
3. –सांख्य प्रकृति सिद्धि स्वरूप, विकासवाद एवं कैवल्य।
4. –गीता में योग के विविध रूप।

ब.

1. – अनुप्रयुक्त दर्शन– अर्थ,स्वरूप एवं महत्व, दर्शन एवं अनुप्रयुक्त दर्शन में संबंध योग का अर्थ, परिभाषा,महत्व एवं उद्देश्य।
2. –योग का उद्भव एवं विकास ,योग के साधक एवं बाधक तत्व।
3. –योगसूत्र।
4. –अष्टांग योग तथा कर्मयोग,भक्तियोग, एवं ज्ञानयोग,हठयोग मंत्रयोग,लययोग एवं क्रियायोग।

स.

समकालीन भारतीय दर्शन के प्रमुख विचारक

1. –श्री अरविंद 2. डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन 3. श्री रविन्द्रनाथ टैगोर
4. मानवेन्द्रनाथराय।


द.

1. –उपनिषद, बौद्ध, जैन मतानुसार चेतना
2. – चेतना का स्वरूप ,सांख्य–योग एवं मीमांसा एवं अद्वैत वेदांत में आत्मा,ब्रह्म, पुरुष सिद्धि पुरुष बहुत्व श्री अरविंद।

य.1. –पुरुषार्थ कर्मफल सिद्धांत ,संस्कार एवं पुर्नजन्म।

2. – चित्त,चित्त की भूमियाँ,चित्त की वृत्तियाँ।

3. –पंचक्लेश, दुःख का स्वरूप, चतुर्व्यूहवाद,विवेकख्याति, सप्तधाप्रज्ञा।

  
9-9-2024

4.—स्वास्थ्य की परिभाषा,स्वस्थ पुरुष के लक्षण रात्रिचर्या—निद्रा एवं ब्रह्मचर्य, ऋतुचर्या ।

र.

1.—आहार की परिभाषा,आहार के गुण एवं कर्म।आहार के द्रव्य घटक कार्बोज ,वसा प्रोटीन खनिज पदार्थ,जीवनीय तत्व जल ।

2.—आहार की मात्रा एवं समय संतुलित आहार । दुग्धाहार फलाहार अपक्वाहार मिताहार उपवास ।

3.—शाकाहार व मांसाहार के अवगुण । अंकुरित आहार के लाभ योगाभ्यासी के लिए निषिद्ध आहार ।

ल.

1.— बुद्धिवाद,अनुभववाद, समीक्षावाद भौतिक वाद तार्किक भाव वाद व.


1.—गीता में योग की प्रवृत्ति व स्वरूप । योग के भेद कर्मयोग,भक्तियोग,ज्ञानयोग,ध्यानयोग, का स्वरूप । भक्त ,कर्मयोगी ज्ञानयोगी व ज्ञानी तत्व के लक्षण,स्थितप्रज्ञ का तत्त्वदर्शन ।

2.—गीता का निष्काम कर्मयोग,ज्ञान,भक्ति एवं कर्मयोगों का समंवय ।

श.

1.—प्राणायाम की परिभाषाएं, प्राणायाम के गुण, विशेष प्राणायाम की वैज्ञानिक विवेचन,श्वसन तंत्र की क्रियाविधि — प्राणायाम के संदर्भ में दीर्घश्वसन एवं प्राणायाम में अंतर ।

2.— प्राण शक्ति के पाँच स्वरूप विभिन्न रोंगो के निदान में प्राणायाम की उपयोगिता । आधुनिक वैज्ञानिक अध्ययन के सदर्थ में ।

  
09.9.2024